

पिक:- गवार

वाण :- सुप्रिया, एम. एस.-५१, स्मृती.

**हवामान :-** गवार हे उष्ण हवामानातील पिक असून सरासरी १८-३० अंश सेल्सिंअस तापमानास हे पिक उत्तम येते. खरीपातील उष्ण व दमट हवेमुळे झाडांची वाढ चांगली होते. हिवाळी हंगामात या पिकांची लागवड फायदेशीर ठरत नाही.

**जमीन :-** हे पिक सर्व प्रकारच्या जमिनीत घेतले जाते. उत्तम पाण्याचा चांगला निचरा असलेल्या मध्यम ते भारी जमिनीत या पिकाची वाढ चांगली होते. जमिनीचा सामू ७.५ ते ८ च्या दरम्यान असल्यास पिकाची वाढ चांगली होते.

**पेरणीची वेळ:-** गवारीची लागवड खरीप व उन्हाळी हंगामात केली जाते. उन्हाळी हंगामास गवारीची लागवड जानेवारी, फेब्रुवारी महिन्यात करतात.

**पेरणीसाठी लागणारे बियाणे-पेरणीची पद्धत-दोन ओळीतील अंतर**

बियांचे प्रमाण हेक्टरी १० ते १२ किलो ग्रॅम बियाणे लागते, पेरणीची पद्धत टोकन पद्धतीने लागवड करणे उत्पन्नाच्या दृष्टीने फायद्याचे असते. तसेच लागवड सरी वरंबा किंवा सपाट वाप्यात करावी. दोन ओळीतील व दोन रोपांनमध्ये अंतर ठेवून पेरणी करावी.

**खरीप :** 30-60 x 20-30 सें.मी. ; **उन्हाळी:-** 30-45 x 15-20 सें.मी.

**रासायनिक खत मात्रा व खत देण्याचा कालावधी व वेळ**

अ. क्र.	रासायनिक खत प्रति हेक्टरी	नत्र (कि. ग्रॅ.)	स्फुरद (कि. ग्रॅ.)	पालाश (कि. ग्रॅ.)
1	जमीन मशागतीच्या वेळी	45	50	50
2	३० दिवसानंतर खुरपणी केल्यास	25	00	00
	एकूण	70	50	50

**रोग व कीड नियंत्रण रासायनिक औषध मात्रा व वेळ**

खतासोबत फरटेरा (झूपौँड) ४ किलो प्रति एकरी किंवा क्हर्टिको (सिंजेंटा) २.५ किलो प्रति एकरी या दराने वापरल्यास सुमारे २१ दिवस मावा व तुडतुडे पासून चांगले संरक्षण मिळते.

अ. क्र.	रोग/ कीड	औषधाचे नाव	मात्रा प्रति लि पाण्यात
1	मर रोग	एलिएट	०२ ग्रॅ प्रति लि.
2	भुरी	बेलेटॉन	२०० ग्रॅ प्रति एकर.
3	मावा, तुडतुडे	कॉन्फिडोर	०.५ मि. ली प्रति लि
		एक्टरा	०४ ग्रॅम प्रति १० लि
4	कोळी (माईट)	सल्फर	०२ ग्रॅ प्रति लि.
		मॉजिस्टर	०२ मि. ली प्रति लि.

**आंतरमशागत व पाणी व्यवस्थापन:-** पेरणीनंतर १० ते २० दिवसांनी रोपांची विरळणीकरून जोमदार व उत्तम वाढीतील अशा अंतराने रोपे ठेवावीत. ३ आठवड्यांनी खुरपणी करून तण काढून टाकावेत. दुसरी खुरपणी तणांचे प्रमाण पाहून करावी. जमिनीच्या मगदुराप्रमाणे पिकास पाणी द्यावे. या पिकला पाणी माफक प्रमाणत लागते परंतु फुले आल्यापासून शेंगाचा बहार पुरण होइपर्यंत नियमित पाणी द्यावे.

**पिक काढणीचा तपशील :-** भाजीसाठी हिरव्या कोवळ्या पण पूर्ण वाढलेल्या शेंगाची नियमित तोडणी करावी. शेंगा जास्त दिवस झाडावर राहिल्यास त्यात रेषांचे प्रमाण वाढते आणि साल कठीण होऊन त्या लवकर शिजत नाहीत. शेंगाची तोडणी एक दिवस आड करावी करावी.

**टीप:** वरील दिलेली माहिती हि आमच्या संशोधन केंद्रात घेतलेल्या चाचण्या वरून दिलेली आहे. यात जमीन, भोगोलिक हवामान, पिकाची नियोजन पद्धती इत्यादी कारणामुळे या मध्ये बदल होऊ शकतो.

### ग्वार

किस्में:- सुप्रिया, एम. एस.-५१, स्मृती.

**जलवायु:** ग्वार एक उष्ण कटिबन्धीय पौधा है। इसको गर्म मौसम की आवश्यकता होती है। बुवाई के समय 30 से 35 डिग्री सेन्टीग्रेड तापक्रम अच्छे अंकुरण के लिये और 32 से 38 डिग्री सेन्टीग्रेड तापक्रम पर वनस्पतिक वृद्धि अच्छी होती है।

**भूमि का चुनाव:** इसे हर तरह की मिट्टी में उगाया जा सकता है। अच्छे निकास वाली रेतली दोमट मिट्टी में उगाने पर यह अच्छे परिणाम देती है।

**भूमि की तैयारी:** ग्वार की खेती के लिए एक समान आकार के बैडों की आवश्यकता होती है। मिट्टी के भुरभुरा होने तक दो से तीन बार जोताई करें। उसके बाद तवियों से जोताई करने के बाद सुहागा फेरकर ज़मीन को समतल करें।

**बुआई का समय:** ग्वार की बुवाई का उपयुक्त समय जुलाई के प्रथम सप्ताह से 25 जुलाई तक है और ग्रीष्म ऋतु में फरवरी के अन्तिम सप्ताह से मार्च के प्रथम सप्ताह में की जानी चाहिए।

**बीज की मात्रा:-** बिजाई के लिए 10-12 किलो हेक्टेयर की दर से बुवाई करें।

**खाद एवं उर्वरक:-** खेत तैयार करते समय 25 से 30 टन प्रति हेक्टेयर गली सड़ी गोबर की खाद या कम्पोस्ट अवश्य मिट्टी में मिलाएं।

क्र.	रासायनिक खाद प्रति हेक्टेयर	नत्रजन (कि.ग्रा.)	फास्फोरस (कि.ग्रा.)	पोटाश (कि.ग्रा.)
1	बुवाई के समय	45	50	50
2	30 दिन बाद	25	00	00
	कुल	70	50	50

**रोग और कीट नियंत्रण :-** खाद के साथ फरटेरा (झूपौंड) 4 किलो प्रति एकड़ अथवा व्हर्टिको (सिंजेंटा) 2.5 किलो प्रति एकड़ इस प्रमाण से एस्तेमाल करणे से 21 दिन तक रस चुसानेवाले किट से संरक्षण मिलता है।

अ. क्र.	रोग/ कीट	औषधाचे नाव	मात्रा प्रति ली पाणी में
1	एल्टरनेरिया लीफ स्पॉट	मेन्कोजेब	02 ग्राम प्रति ली
2	पत्तों पर सफेद धब्बे	बेलेटॉन	200 ग्राम प्रति एकड़
3	रस चूसक कीट	कॉन्फिडोर एक्टरा	0.5 मि. ली प्रति ली 04 ग्राम प्रति 10 ली
4	माईट	सल्फर मॉजिस्टर	02 ग्राम प्रति ली 02 मि. ली प्रति ली

**सिंचाई और जल निकास:** फसल में फूल आने तथा फलियां बनने की अवस्था में वर्षा न होने की स्थिति या वर्षा का अन्तराल अधिक होने पर एक सिंचाई करने से उत्पादन में वृद्धि की जा सकती है। ग्वार फसल, खेत में भरे पानी को सहन नहीं कर पाती है, इसलिए अधिक वर्षा होने पर जल निकास का उचित प्रबन्ध करें।

**निराई गुड़ाई :** बुवाई के 25 से 30 दिन बाद पहली निराई गुड़ाई करनी चाहिये। दूसरी निराई गुड़ाई यदि आवश्यकता हो तो 40 से 45 दिन पश्चात करनी चाहिये। समय पर निराई गुड़ाई करने से खरपतवार तो समाप्त होती ही है साथ ही भूमि में हवा का प्रवाह भी अच्छा होता है।

**फलियों की तुड़ाई और पैदावार:** ग्वार फलियों को पूरी तरह से तैयार होने पर मुलायम अवस्था में ही तोड़ लेना चाहिए। नर्म, कच्ची, हरी फलियों की तुड़ाई नियमित रूप से एक दिन के अंतराल पर करें।

**टिप्पणी :-** उपरोक्त सभी जाणकारीया हमारे अनुसंधान केंद्र पर किये गये प्रयोग पर आधारित है। भिन्न स्थानों पर भिन्न मौसम, भूमि प्रकार एवं ऋतू के कारण उपरोक्त जाणकारी में बदलाव आ सकता है।

### Cluster Bean

**Varieties:- Supriya, M.S.-51, Smruti.**

**Climate:** Cluster Bean is a tropical plant. It requires warm weather. Temperature of 30 to 35 degree centigrade at the time of sowing is required for good germination and vegetative growth is good at 32 to 38 degree centigrade temperature.

**Selection of Soil:** It can be grown in all types of soil. It gives good results when grown in well drained sandy loam soil.

**Land Preparation:** Uniform size beds are required for Cluster Bean cultivation. Plough the soil two to three times till the soil becomes soft. After that, ploughing, level the land.

**Sowing time:** The suitable time for sowing Cluster Bean is from the first week of July to 25th July and in summers, it should be done from the last week of February to the first week of March.

**Quantity of Seeds:** - For sowing, sow at the rate of 10-12 kg per hectare.

**Manure and fertilizer:-** While preparing the field, mix 25 to 30 tonnes of rotten cow dung or compost per hectare in the soil.

No.	Chemical fertilizers per hectare	Nitrogen (kg)	Phosphorus (kg)	Potash (kg)
1	At the time of sowing	45	50	50
2	After 30 days	25	00	00
1	Total	70	50	50

**Disease and Pest Control: -**

Using Fertera (Dupond) 4 kg per acre or Vertico (Syngenta) 2.5 kg per acre with manure gives protection from sucking insects for 21 days.

Sr. No.	Disease/pest	Name of medicine	Quantity per liter of water
1	Alternaria leaf spot	Mancozeb	02 gm per liter
2	White spots on leaves	Bayleton	200 gm per acre
3	Sucking insects pest	Confidor	0.5 ml Per liter
		Actra	04 gram per 10 liter
4	Mite	Sulphur	02 grams per liter
		Magister	02 ml per liter

**Irrigation and drainage:** In the absence of rain or if the interval between rains is too long during the flowering and pod formation stage, production can be increased by doing one irrigation. Cluster Bean crop cannot tolerate water logging in the field, so make proper arrangements for drainage in case of excessive rainfall.

**Weeding:** The first weeding should be done 25 to 30 days after sowing. If required, the second weeding should be done after 40 to 45 days. By doing weeding on time, not only the weeds are eliminated but the air flow in the soil is also good.

**Harvesting and yield of beans:** Cluster Bean beans should be plucked in a soft state when they are fully ready. Harvest soft, raw, green beans regularly at an interval of one day.

**Note:-** All the above information is based on the experiments conducted at our research center. The above information may change due to different weather, soil type and season at different places.

## કલસ્ટર બીન

**જાતો:- સુપ્રિયા, એમ.એસ.-૫૧, સ્મૃતિ.**

**આખોહવા:** કલસ્ટર બીન એક ઉષ્ણાકટિબંધીય છોડ છે. તેને ગરમ હવામાનની જરૂર પડે છે. સારા અંકુરણ માટે વાવણી સમયે ૩૦ થી ૩૫ દિગ્રી સેન્ટીગ્રેડ તાપમાન જરૂરી છે અને ૩૨ થી ૩૮ દિગ્રી સેન્ટીગ્રેડ તાપમાને વનસ્પતિ વિકાસ સારો થાય છે.

**માટીની પસંદગી:** તે તમામ પ્રકારની જમીનમાં ઉગાડી શકાય છે. સારી રીતે નિતારવાળી રેતાળ લોમ જમીનમાં ઉગાડવામાં આવે ત્યારે તે સારા પરિણામો આપે છે.

**જમીનની તૈયારી:** કલસ્ટર બીનની ખેતી માટે સમાન કદના પથારી જરૂરી છે. જમીન નરમ થાય ત્યાં સુધી બે થી ત્રણ વખત ખેડ કરો. ત્યારબાદ, ખેડાણ કરો, જમીન સમતળ કરો.

**વાવણીનો સમય:** કલસ્ટર બીનનું વાવેતર જુલાઈના પહેલા અઠવાડિયાથી ૨૫ જુલાઈ સુધીનો છે અને ઉનાળામાં, તે ફેબ્રુઆરીના છેલ્લા અઠવાડિયાથી માર્ચના પહેલા અઠવાડિયા સુધી કરવું જોઈએ.

**બીજનો જથ્થો:-** વાવણી માટે, પ્રતિ હેક્ટર ૧૦-૧૨ કિલો વાવો.

**ખાતર અને ખાતર:-** ખેતર તૈયાર કરતી વખતે, જમીનમાં પ્રતિ હેક્ટર ૨૫ થી ૩૦ ટન સડેલું ગાયનું છાણ અથવા ખાતર ભેળવો.

No.	Chemical fertilizers per hectare	Nitrogen (kg)	Phosphorus (kg)	Potash (kg)
1	At the time of sowing	45	50	50
2	After 30 days	25	00	00
1	Total	70	50	50

**રોગ અને જીવાત નિયંત્રણ માત્રા અને સમય:-**

ફર્ટા (ડુપોન્ડ) ૪ કિલો પ્રતિ એકર અથવા વર્ટોકો (સિંજેન્ટા) ૨.૫ કિલો પ્રતિ એકર ખાતર સાથે વાપરવાથી ૨૧ દિવસ સુધી શોષક જંતુઓથી રક્ષણ મળે છે.

Sr. No.	Disease/pest	Name of medicine	Quantity per liter of water
1	Alternaria leaf spot	Mancozeb	02 gm per liter
2	White spots on leaves	Bayleton	200 gm per acre
3	Sucking insects pest	Confidor	0.5 ml Per liter
		Actra	04 gram per 10 liter
4	Mite	Sulphur	02 grams per liter
		Magister	02 ml per liter

**સિંચાઈ અને ડ્રેનેજ:** વરસાદની ગેરહાજરીમાં અથવા ઝૂલો અને શીંગો બનવાના તબક્કા દરમિયાન વરસાદ વચ્ચેનો અંતરાલ ખૂબ લાંબો હોય તો, એક સિંચાઈ કરીને ઉત્પાદન વધારી શકાય છે. કલસ્ટર બીન પાક ખેતરમાં પાણી ભરાવાને સહન કરી શકતો નથી, તેથી વધુ વરસાદ પડે તો ડ્રેનેજ માટે ચોગ્ય વ્યવસ્થા કરો.

**નિદામણા:** પ્રથમ નિદામણા વાવણી પછી ૨૫ થી ૩૦ દિવસ પછી કરવું જોઈએ. જો જરૂરી હોય તો, બીજું નિદામણા ૪૦ થી ૪૫ દિવસ પછી કરવું જોઈએ. સમયસર નીદણા કરવાથી, માત્ર નીદણા જ દૂર થતું નથી પરંતુ જમીનમાં હવાનો પ્રવાહ પણ સારો રહે છે.

**કઠોળની લણણી અને ઉપજ:** કલસ્ટર બીન કઠોળ સંપૂર્ણપણે તૈયાર થઈ જાય ત્યારે તેને નરમ સ્થિતિમાં તોડી નાખવા જોઈએ. એક દિવસના અંતરાલ પર નિયમિતપણે નરમ, કાચા, લીલા કઠોળની લણણી કરો.

**નોંધ:-** ઉપરોક્ત બધી માહિતી અમારા સંશોધન કેન્દ્રમાં કરવામાં આવેલા પ્રયોગો પર આધારિત છે. ઉપરોક્ત માહિતી અલગ અલગ સ્થળોએ અલગ અલગ હવામાન, માટીના પ્રકાર અને ઋતુને કારણે બદલાઈ શકે છે.

## క్లస్టర్ బీన్

రకాలు:- సుప్రియ, M.S.-51, స్కూల్తి.

వాతావరణ: క్లస్టర్ బీన్ ఒక ఉష్ణమండల మొక్క. దీనికి వెచ్చని వాతావరణం అవసరం. మంచి అంకురోత్పత్తికి విత్తే సమయంలో 30 నుండి 35 డిగ్రీల సెంటీగ్రేడ్ ఉష్ణోగ్రత అవసరం మరియు 32 నుండి 38 డిగ్రీల సెంటీగ్రేడ్ ఉష్ణోగ్రత వద్ద ఎక్కు పెరుగుదల మంచిది.

నేల ఎంపిక: దీనిని అన్ని రకాల నేలల్లో పెంచవచ్చు. బాగా ఎండిపోయిన ఇసుక లోమ్ నేలలో పెంచినప్పుడు ఇది మంచి ఫలితాలను ఇస్తుంది.

భూమి తయారి: క్లస్టర్ బీన్ సాగుకు ఏకరీతి పరిమాణంలో పడకలు అవసరం. నేల మృదువుగా అయ్యే వరకు రెండు నుండి మూడు సార్లు నేలను దున్నండి. ఆ తర్వాత, దున్నండి, భూమిని చదును చేయండి.

విత్తే సమయం: క్లస్టర్ బీన్ విత్తడానికి అనువైన సమయం జూలై మొదటి వారం నుండి జూలై 25 వరకు మరియు వేసవిలో, ఫ్లొబిల చివరి వారం నుండి మార్చి మొదటి వారం వరకు చేయాలి.

విత్తనాల పరిమాణం: - విత్తడానికి, హైక్షారుకు 10-12 కిలోల చొప్పున విత్తండి.

ఎరువు మరియు ఎరువులు: - పొలాన్ని సిద్ధం చేసేటప్పుడు, హైక్షారుకు 25 నుండి 30 టన్నుల కుళ్ళిన ఆవు పేడ లేదా కంపెష్ట్ ను మళ్ళీలో కలపండి.

No.	Chemical fertilizers per hectare	Nitrogen (kg)	Phosphorus (kg)	Potash (kg)
1	At the time of sowing	45	50	50
2	After 30 days	25	00	00
1	Total	70	50	50

వ్యాధి మరియు తెగులు నియంత్రణ మౌతాదు మరియు సమయం: -

ఎకరానికి ఫెర్టైరా (డూపాండ్) 4 కిలోలు లేదా ఎకరానికి వెర్టిక్ (సింజెంటా) 2.5 కిలోలు ఎరువుతో కలిపి వాడటం వల్ల 21 రోజుల పాటు పీల్చెకీటకాల నుండి రక్షణ లభిస్తుంది.

Sr. No.	Disease/pest	Name of medicine	Quantity per liter of water
1	Alternaria leaf spot	Mancozeb	02 gm per liter
2	White spots on leaves	Bayleton	200 gm per acre
3	Sucking insects pest	Confidor	0.5 ml Per liter
		Actra	04 gram per 10 liter
4	Mite	Sulphur	02 grams per liter
		Magister	02 ml per liter

నీటిపారుదల మరియు నీటి పారుదల: వరం లేనప్పుడు లేదా పుష్పించే మరియు కాయ ఏర్పడే దశలో వరాల మధ్య విరామం చాలా ఎక్కువగా ఉంచే, ఒక నీటిపారుదల చేయడం ద్వారా ఉత్పత్తిని పెంచవచ్చు. క్లస్టర్ బీన్ పంట పొలంలో నీటి నిలవును తట్టుకోదు, కాబట్టి అధిక వర్షపాతం విషయంలో నీటి పారుదల కోసం సరైన ఏర్పాట్లు చేయండి.

కలుపు తీయుట: విత్తిన 25 నుండి 30 రోజుల తర్వాత మొదటి కలుపు తీయుట చేయాలి. అవసరమైతే, రెండవ కలుపు తీయుట 40 నుండి 45 రోజుల తర్వాత చేయాలి. స్కాలంలో కలుపు తీయడం ద్వారా కలుపు మొక్కలు తొలగిపోవడమే కాకుండా నేలలో గాలి ప్రవాహం కూడా బాగుంటుంది.

బీన్ కోత మరియు దిగుబడి: క్లస్టర్ బీన్ బీన్ పూర్తిగా సిద్ధంగా ఉన్నప్పుడు వాటిని మృదువైన స్థితిలో కోయాలి. మెత్తని, పచ్చి, పచ్చిబీన్ ను ఒక రోజు విరామంలో క్రమం తప్పకుండా కోయండి.

గమనిక: - పైన పేర్కొన్న సమాచారం అంతా మా పరిశోధన కేంద్రంలో నిర్వహించిన ప్రయోగాల ఆధారంగా ఉంటుంది. వేర్వేరు ప్రదేశాలలో వేర్వేరు వాతావరణం, నేల రకం మరియు సీజన్ కారణంగా పైన పేర్కొన్న సమాచారం మారవచ్చు.

ಕ್ರಿಸ್ತರ್ ಬೀನ್

ವೈವಿಧ್ಯಗಳು:- ಸುಪ್ರಿಯಾ, ಎಂ.ಎಸ್.-51, ಸುತ್ತಮಿ.

ಹವಾಮಾನ: ಕ್ಲಾಸ್‌ರೂ ಬೀನ್‌ ಒಂದು ಉತ್ತರವಲಯದ ಸಸ್ಯ. ಇದಕ್ಕೆ ಬೆಚ್ಚಿನ ಹವಾಮಾನದ ಅಗತ್ಯವಿದೆ. ಬಿತ್ತನೆಯ ಸಮಯದಲ್ಲಿ, 30 ರಿಂದ 35 ಡಿಗ್ರಿ ಸೆಂಟಿಗ್ರೇಡ್ ತಾಪಮಾನವು ಉತ್ತರಮುಖಾಳಕೆಯಲ್ಲಿ ಅಗತ್ಯವಾಗಿರುತ್ತದೆ ಮತ್ತು 32 ರಿಂದ 38 ಡಿಗ್ರಿ ಸೆಂಟಿಗ್ರೇಡ್ ತಾಪಮಾನದಲ್ಲಿ ಸಸ್ಯಕ ಬೆಳೆವಣಿಗೆ ಉತ್ತರಮುಖಾಗಿರುತ್ತದೆ.

ಮಣಿನ ಆಯ್ದು: ಇದನ್ನು ಎಲ್ಲಾ ರೀತಿಯ ಮಣಿನಲ್ಲಿ ಬೆಳೆಯಬಹುದು. ಚೆನ್ನಾಗಿ ಬಸಿದು ಹೋದ ಮರಳು ವಿಶ್ವಿತ ಮಣಿನಲ್ಲಿ ಬೆಳೆದಾಗ ಇದು ಉತ್ತಮ ಫಲಿತಾಂಶವನ್ನು ನೀಡುತ್ತದೆ.

ଭୂମି ତେଯାରି: କୁନ୍ତୁରୁ ଚିନ୍ହା କୃଷିଗିର ଏକରାପଦ ଗାତ୍ରଦ ହାସିଗେଲୁ ଅଗତ୍ୟବିଦେ. ମଣ୍ଡଳ ମୁଦୁଵାଗୁପରିଗେ ମଣ୍ଡଳନ୍ତିର ଏକରାପଦ ମୁଲୁ ବାରି ଲୁଖିଲୁମେ ମାଦି. ନଂତର, ଲୁଖିଲୁମେ ମାଦି, ଭୂମିଯନ୍ତି ସମତଟ୍ଟୁ ମାଦି.

బిత్తనే సమయ: క్లాస్సురా బినా బిత్తనేగి సూక్త సమయ జులై 25 మొదట వారదిండ జులై 25 రపరిగి మత్తు బేసిగియల్లి, ఫెబ్రవరి కౌన్సిలు వారదిండ మాజ్చ్ మొదట వారదవరిగి మాడబేసు.

బీజగళ్ల ప్రమాణ: - బిత్తనేగారి, ప్రతి హెక్టార్ గే 10-12 కెజీ దరదల్లి బిత్తనే మాడి.

గొబ్బర మత్తు గొబ్బరి: - హోలవన్ను సిద్ధపడిసువాగ, ప్రతి కెచ్చోరాగే 25 రింద 30 టన్ కోల్ఱెత హసుపిన సగణి అధవా కాంపోలోస్టు అన్న మణినల్లి మిళ్ళణ మాడి.

No.	Chemical fertilizers per hectare	Nitrogen (kg)	Phosphorus (kg)	Potash (kg)
1	At the time of sowing	45	50	50
2	After 30 days	25	00	00
1	Total	70	50	50

ರೋಗ ಮತ್ತು ಕೀಟ ನಿಯಂತ್ರಣ ಡೋಸೇಜ್ ಮತ್ತು ಸಮಯ: -

ಫೆರ್ಟೆರ್ಲ (ಡುಪಾಂಡ್) ಪ್ರತಿ ಎಕರೆಗೆ 4 ಕೆಜಿ ಅಥವಾ ಪರ್ಟೀಕೊ (ಸಿಂಜೆಂಟ್‌ಕೊ) ಪ್ರತಿ ಎಕರೆಗೆ 2.5 ಕೆಜಿ ಗೊಬ್ಬರದೊಂದಿಗೆ ಬಳ್ಳಸುವುದರಿಂದ 21 ದಿನಗಳುವರೆಗೆ ಹೀರುವ ಕೀಟಗಳಿಂದ ರಕ್ಷಣೆ ಸಿಗುತ್ತದೆ.

Sr. No.	Disease/pest	Name of medicine	Quantity per liter of water
1	Alternaria leaf spot	Mancozeb	02 gm per liter
2	White spots on leaves	Bayleton	200 gm per acre
3	Sucking insects pest	Confidor	0.5 ml Per liter
		Actra	04 gram per 10 liter
4	Mite	Sulphur	02 grams per liter
		Magister	02 ml per liter

ನೀರಾವರಿ ಮತ್ತು ಒಳೆಚರಂಡಿ: ಮಳೆ ಇಲ್ಲದಿದ್ದಾಗ ಅಥವಾ ಹೊಬಿಡುವ ಮತ್ತು ಬೀಜಕೋಶ ರಚನೆಯ ಹಂತದಲ್ಲಿ ಮಳೆಯ ನಡುವಿನ ಮಧ್ಯಂತರವು ತುಂಬಾ ಉದ್ದ್ವಾಗಿದ್ದರೆ, ಒಂದು ನೀರಾವರಿ ಮಾಡುವ ಮೂಲಕ ಉತ್ಪಾದನೆಯನ್ನು ಹೆಚ್ಚಿಸಬಹುದು. ಕ್ಲಾಸ್ಟ್‌ರ್ ಬೀನ್‌ ಚೆಳೆ ಹೊಲದಲ್ಲಿ ನೀರು ನೀಲಾಪುದನ್ನು ಸಹಿಸುವುದಿಲ್ಲ, ಆದರಿಂದ ಅತಿಯಾದ ಮಳೆಯ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಒಳೆಚರಂಡಿಗೆ ಸರಿಯಾದ ವ್ಯವಸ್ಥೆ ಮಾಡಿ.

ಕಳೆ ತೆಗೆಯುವುದು: ಬಿತ್ತನೆ ಮಾಡಿದ 25 ರಿಂದ 30 ದಿನಗಳ ನಂತರ ಮೂದಲ ಕಳೆ ತೆಗೆಯಬೇಕು. ಅಗತ್ಯವಿದ್ದರೆ, ಎರಡನೇ ಕಳೆ ತೆಗೆಯುವಿಕೆಯನ್ನು 40 ರಿಂದ 45 ದಿನಗಳ ನಂತರ ಮಾಡಬೇಕು. ಸಮಯಕ್ಕೆ ಸರಿಯಾಗಿ ಕಳೆ ತೆಗೆಯುವುದರಿಂದ ಕಳೆಗಳು ನಿವಾರಣೆಯಾಗುವುದಲ್ದೆ. ಮುಣಿನಲ್ಲಿ ಗಾಳಿಯ ಹಿಂಬಣೆ ಕೂಡ ಉತ್ಪಾದಿಸುತ್ತದೆ.

ಬೀನ್‌ ಕೊಯ್ಲು ಮತ್ತು ಇಳುವರಿ: ಕ್ಲ್ಯಾಸ್‌ರ್ ಬೀನ್‌ ಬೀನ್‌ ಸಂಪರ್ಕವಾಗಿ ಸಿದ್ದವಾದಾಗ ಮುದುವಾದ ಸ್ತ್ರೀತಿಯಲ್ಲಿ ಕೀಳಬೆಕ್.

గమనిసి: - మేలిన ఎల్లా పూఛితియు నమ్మి సంతోధనా కేంద్రదల్లి నడెసిద ప్రయోగాలన్ను ఆధునికిసిద. మేలిన పూఛితియు విబిన్, సభగళలి విబిన్, హవామాన, మణి న ప్రకార మతు ఖుటువిన కారణదిందాగి బదలాగబహుదు.

### ক্লাষ্টাৰ বিন

জাত:- সুপ্রিয়া, এম.এছ.-৫১, স্মৃতি।

জলবায়ু: ক্লাষ্টাৰ বিন (Cluster Bean) এবিধ গ্ৰীষ্মমণ্ডলীয় উদ্ভিদ। ইয়াৰ বাবে উষ্ণ বৰতৰ প্ৰয়োজন। বীজ সিঁচাৰ সময়ত ৩০ৰ পৰা ৩৫ ডিগ্ৰী চেণ্টিগ্ৰেড উষ্ণতাৰ ভাল অংকুৰণৰ বাবে প্ৰয়োজনীয় আৰু ৩২ৰ পৰা ৩৮ ডিগ্ৰী চেণ্টিগ্ৰেড উষ্ণতাত গছ-গচ্ছনিৰ বৃদ্ধি ভাল।

মাটি নিৰ্বাচন: সকলো ধৰণৰ মাটিত ইয়াৰ খেতি কৰিব পাৰি। ভালদৰে পানী ওলাই যোৱা বালিচহীয়া লোম মাটিত খেতি কৰিলে ভাল ফলাফল পোৱা যায়।

মাটি প্ৰস্তুতি: ক্লাষ্টাৰ বিন খেতিৰ বাবে একে আকাৰৰ বিচনাৰ প্ৰয়োজন। মাটি কোমল হোৱালৈকে দুবাৰৰ পৰা তিনিবাৰকৈ মাটি হাল বাইব লাগে। ইয়াৰ পিছত হাল বাই মাটি সমতল কৰিব।

বীজ সিঁচাৰ সময়: ক্লাষ্টাৰ বিন বীজ সিঁচাৰ বাবে উপযুক্ত সময় জুলাই মাহৰ প্ৰথম সপ্তাহৰ পৰা ২৫ জুলাইলৈ আৰু গ্ৰীষ্মকালত ফেব্ৰুৱাৰী মাহৰ শেষ সপ্তাহৰ পৰা মাৰ্চ মাহৰ প্ৰথম সপ্তাহলৈকে কৰিব লাগে।

বীজৰ পৰিমাণ:- বীজ সিঁচাৰ বাবে প্ৰতি হেক্টেৰ ১০-১২ কেজি হাৰত বীজ সিঁচিব লাগে।

গোৱৰ আৰু সাৰ:- পথাৰ প্ৰস্তুত কৰাৰ সময়ত প্ৰতি হেক্টেৰ মাটিত ২৫ৰ পৰা ৩০ টন পঁচি যোৱা গুৰুৰ গোৱৰ বা পচন সাৰ মিহলাই দিব লাগে।

No.	Chemical fertilizers per hectare	Nitrogen (kg)	Phosphorus (kg)	Potash (kg)
1	At the time of sowing	45	50	50
2	After 30 days	25	00	00
1	Total	70	50	50

ৰোগ আৰু কীট নিষ্কাশনৰ মাত্ৰা আৰু সময়: -

ফেৰটেৰা (ডুপণ) প্ৰতি একৰত ৪ কেজি বা ভাটিকো (চিঞ্চেন্টা) ২.৫ কিলোগ্ৰাম প্ৰতি একৰত গোৱৰৰ সৈতে ব্যৱহাৰ কৰিলে ২১ দিনলৈকে চুহি খোৱা পোক-পৰুৱাৰ পৰা সুৰক্ষা পোৱা যায়।

Sr. No.	Disease/pest	Name of medicine	Quantity per liter of water
1	Alternaria leaf spot	Mancozeb	02 gm per liter
2	White spots on leaves	Bayleton	200 gm per acre
3	Sucking insects pest	Confidor	0.5 ml Per liter
		Actra	04 gram per 10 liter
4	Mite	Sulphur	02 grams per liter
		Magister	02 ml per liter

জলসিঞ্চন আৰু পানী নিষ্কাশন: বৰষুণৰ অভাৱত বা ফুল ফুলা আৰু গুটি গঠনৰ পৰ্যায়ত বৰষুণৰ মাজৰ ব্যৱধান বেছি হ'লে এটা জলসিঞ্চন কৰিলে উৎপাদন বৃদ্ধি কৰিব পাৰি। ক্লাষ্টাৰ বিন শস্যই পথাৰত পানী লগোৱা সহ্য কৰিব নোৱাৰে, গতিকে অত্যধিক বৰষুণ হ'লে পানী নিষ্কাশনৰ সঠিক ব্যৱস্থা কৰক।

অপত্তণ কৰা: প্ৰথম অপত্তণ বীজ সিঁচাৰ ২৫ৰ পৰা ৩০ দিনৰ পিছত কৰিব লাগে। প্ৰয়োজন হ'লে ৪০ৰ পৰা ৪৫ দিনৰ পিছত দ্বিতীয়বাৰৰ বাবে অপত্তণ কাটিব লাগে। সময়মতে ঘাঁঁহ কাটিলে কেৱল অপত্তণবোৰ নাইকিয়া হোৱাই নহয় মাটিত বায়ুৰ সোঁতও ভাল হয়।

বীন চপোৱা আৰু উৎপাদন: থুপীয়া বীন বীন সম্পূৰ্ণ সাজু হ'লে কোমল অৱস্থাত ছিঁড়িব লাগে। নিয়মিতভাৱে এদিনৰ ব্যৱধানত কোমল, কেঁচা, সেউজীয়া বীন চপাই লওক।

বিঃদ্রঃ- ওপৰৰ সকলো তথ্য আমাৰ গৱেষণা কেন্দ্ৰত কৰা পৰীক্ষাৰ ভিত্তিত কৰা হৈছে। বিভিন্ন স্থানত বিভিন্ন বৰতৰ, মাটিৰ প্ৰকাৰ আৰু ঝাতুৰ বাবে উপৰোক্ত তথ্য সলনি হ'ব পাৰে।

### ক্লাস্টার বিন

জাত:- সুপ্রিয়া, এম.এস.-৫১, স্মৃতি।

জলবায়ু: ক্লাস্টার বিন একটি গ্রীষ্মমণ্ডলীয় উদ্ধিদী। এর উষ্ণ আবহাওয়া প্রয়োজন। বীজ বপনের সময় ৩০ থেকে ৩৫ ডিগ্রি সেন্টিগ্রেড তাপমাত্রা ভালো অঙ্কুরোদগমের জন্য প্রয়োজন এবং ৩২ থেকে ৩৮ ডিগ্রি সেন্টিগ্রেড তাপমাত্রায় উদ্ধিদীর বৃদ্ধি ভালো হয়।

মাটি নির্বাচন: এটি সব ধরণের মাটিতে চাষ করা যেতে পারে। সুনিষ্কাশিত বেলে দোআঁশ মাটিতে চাষ করলে এটি ভালো ফলাফল দেয়।

জমি তৈরি: ক্লাস্টার বিন চাষের জন্য একই আকারের বেড প্রয়োজন। মাটি নরম না হওয়া পর্যন্ত দুই থেকে তিনবার চাষ করুন। এরপর চাষ দিয়ে জমি সমতল করুন।

বপনের সময়: গুচ্ছ শিম বপনের উপযুক্ত সময় হল জুলাই মাসের প্রথম সপ্তাহ থেকে ২৫ জুলাই এবং গ্রীষ্মকালে, এটি ফেব্রুয়ারির শেষ সপ্তাহ থেকে মার্চের প্রথম সপ্তাহ পর্যন্ত করা উচিত।

বীজের পরিমাণ:- বপনের জন্য, প্রতি হেক্টরে ১০-১২ কেজি হারে বপন করুন।

সার এবং সার:- ক্ষেত প্রস্তুত করার সময়, প্রতি হেক্টরে ২৫ থেকে ৩০ টন পচা গোবর বা কম্পোস্ট মাটিতে মিশিয়ে দিন।

No.	Chemical fertilizers per hectare	Nitrogen (kg)	Phosphorus (kg)	Potash (kg)
1	At the time of sowing	45	50	50
2	After 30 days	25	00	00
1	Total	70	50	50

রোগ ও পোকামাকড় নিয়ন্ত্রণের মাত্রা এবং সময়:-

এক প্রতি ফার্টেরা (ডুপন্ডি) ৪ কেজি বা ভাট্টিকো (সিনজেন্টা) ২.৫ কেজি সারের সাথে ব্যবহার করলে ২১ দিন ধরে চোষা পোকামাকড় থেকে সুরক্ষা পাওয়া যায়।

Sr. No.	Disease/pest	Name of medicine	Quantity per liter of water
1	Alternaria leaf spot	Mancozeb	02 gm per liter
2	White spots on leaves	Bayleton	200 gm per acre
3	Sucking insects pest	Confidor	0.5 ml Per liter
		Actra	04 gram per 10 liter
4	Mite	Sulphur	02 grams per liter
		Magister	02 ml per liter

সেচ এবং নিষ্কাশন: বৃষ্টিপাতের অভাবে অথবা ফুল ও শুঁটি গঠনের পর্যায়ে বৃষ্টিপাতের ব্যবধান খুব বেশি হলে, একবার সেচ দিয়ে উৎপাদন বৃদ্ধি করা যেতে পারে। গুচ্ছ শিম ফসল জমিতে জলাবদ্ধতা সহ্য করতে পারে না, তাই অতিরিক্ত বৃষ্টিপাতের ক্ষেত্রে নিষ্কাশনের জন্য যথাযথ ব্যবস্থা করুন।

আগাছা: প্রথম আগাছা বপনের ২৫ থেকে ৩০ দিন পর করা উচিত। প্রয়োজনে, দ্বিতীয় আগাছা ৪০ থেকে ৪৫ দিন পর করা উচিত। সময়মতো আগাছা পরিষ্কার করলে কেবল আগাছা দূর হয় না, মাটিতে বায়ু চলাচলও ভালো হয়।

শিম সংগ্রহ ও ফলন: ক্লাস্টার বিনের শিম সম্পূর্ণরূপে প্রস্তুত হয়ে গেলে নরম অবস্থায় তুলে ফেলতে হবে। এক দিনের ব্যবধানে নিয়মিত নরম, কাঁচা, সবুজ শিম সংগ্রহ করুন।

বিঃদ্রঃ:- উপরের সমস্ত তথ্য আমাদের গবেষণা কেন্দ্রে পরিচালিত পরীক্ষা-নিরীক্ষার উপর ভিত্তি করে তৈরি। বিভিন্ন স্থানে বিভিন্ন আবহাওয়া, মাটির ধরণ এবং খন্তির কারণে উপরের তথ্য পরিবর্তিত হতে পারে।

## ਕਲੱਸਟਰ ਬੀਨ

**ਕਿਸਮਾਂ:-** ਸੁਪ੍ਰੀਆ, ਐਮ.ਐਸ.-51, ਸਮ੍ਰਿਤੀ।

**ਜਲਵਾਯੂ:** ਕਲੱਸਟਰ ਬੀਨ ਇੱਕ ਗਰਮ ਖੰਡੀ ਪੌਦਾ ਹੈ। ਇਸਨੂੰ ਗਰਮ ਮੌਸਮ ਦੀ ਲੋੜ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਚੰਗੇ ਉਗਣ ਲਈ ਬਿਜਾਈ ਦੇ ਸਮੇਂ 30 ਤੋਂ 35 ਡਿਗਰੀ ਸੈਂਟੀਗਰੈਡ ਤਾਪਮਾਨ ਦੀ ਲੋੜ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਅਤੇ 32 ਤੋਂ 38 ਡਿਗਰੀ ਸੈਂਟੀਗਰੈਡ ਤਾਪਮਾਨ 'ਤੇ ਬਨਸਪਤੀ ਵਿਕਾਸ ਚੰਗਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ।

**ਮਿੱਟੀ ਦੀ ਚੋਣ:** ਇਸਨੂੰ ਹਰ ਕਿਸਮ ਦੀ ਮਿੱਟੀ ਵਿੱਚ ਉਗਾਇਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਇਹ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਿਕਾਸ ਵਾਲੀ ਰੇਤਲੀ ਦੋਮਟ ਮਿੱਟੀ ਵਿੱਚ ਉਗਾਉਣ 'ਤੇ ਚੰਗੇ ਨਤੀਜੇ ਦਿੰਦਾ ਹੈ।

**ਜ਼ਮੀਨ ਦੀ ਤਿਆਰੀ:** ਕਲੱਸਟਰ ਬੀਨ ਦੀ ਕਾਸ਼ਤ ਲਈ ਇੱਕਸਾਰ ਆਕਾਰ ਦੇ ਬੈਂਡਾਂ ਦੀ ਲੋੜ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਮਿੱਟੀ ਨੂੰ ਦੋ ਤੋਂ ਤਿੰਨ ਵਾਰ ਵਾਹੇ ਜਦੋਂ ਤੱਕ ਮਿੱਟੀ ਨਰਮ ਨਾ ਹੋ ਜਾਵੇ। ਉਸ ਤੋਂ ਬਾਅਦ, ਵਾਹੇ, ਜ਼ਮੀਨ ਨੂੰ ਪੱਧਰ ਕਰੋ।

**ਬਿਜਾਈ ਦਾ ਸਮਾਂ:** ਕਲੱਸਟਰ ਬੀਨ ਦੀ ਬਿਜਾਈ ਲਈ ਢੁਕਵਾਂ ਸਮਾਂ ਜੁਲਾਈ ਦੇ ਪਹਿਲੇ ਹਫ਼ਤੇ ਤੋਂ 25 ਜੁਲਾਈ ਤੱਕ ਹੈ ਅਤੇ ਗਰਮੀਆਂ ਵਿੱਚ, ਇਹ ਫਰਵਰੀ ਦੇ ਆਖਰੀ ਹਫ਼ਤੇ ਤੋਂ ਮਾਰਚ ਦੇ ਪਹਿਲੇ ਹਫ਼ਤੇ ਤੱਕ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।

**ਬੀਜਾਂ ਦੀ ਮਾਤਰਾ:-** ਬਿਜਾਈ ਲਈ, ਪ੍ਰਤੀ ਹੈਕਟੇਅਰ 10-12 ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ ਦੀ ਦਰ ਨਾਲ ਬਿਜਾਈ ਕਰੋ।

**ਖਾਦ ਅਤੇ ਖਾਦ:-** ਖੇਤ ਤਿਆਰ ਕਰਦੇ ਸਮੇਂ, ਪ੍ਰਤੀ ਹੈਕਟੇਅਰ 25 ਤੋਂ 30 ਟਨ ਸੜੀ ਹੋਈ ਗਾਂ ਦਾ ਗੋਬਰ ਜਾਂ ਖਾਦ ਮਿੱਟੀ ਵਿੱਚ ਮਿਲਾਓ।

No.	Chemical fertilizers per hectare	Nitrogen (kg)	Phosphorus (kg)	Potash (kg)
1	At the time of sowing	45	50	50
2	After 30 days	25	00	00
1	Total	70	50	50

ਰੋਗ ਅਤੇ ਕੀਟ ਨਿਯੰਤਰਣ ਖੁਰਾਕ ਅਤੇ ਸਮਾਂ:-

ਫਰਟੇਰਾ (ਡੂਪੈੱਡ) 4 ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ ਪ੍ਰਤੀ ਏਕੜ ਜਾਂ ਵਰਟੀਕੋ (ਸਿੰਜੈਟਾ) 2.5 ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ ਪ੍ਰਤੀ ਏਕੜ ਖਾਦ ਨਾਲ ਵਰਤਣ ਨਾਲ 21 ਦਿਨਾਂ ਲਈ ਚੁਸ਼ਣ ਵਾਲੇ ਕੀਝਿਆਂ ਤੋਂ ਬਚਾਅ ਹੁੰਦਾ ਹੈ।

Sr. No.	Disease/pest	Name of medicine	Quantity per liter of water
1	Alternaria leaf spot	Mancozeb	02 gm per liter
2	White spots on leaves	Bayleton	200 gm per acre
3	Sucking insects pest	Confidor	0.5 ml Per liter
		Actra	04 gram per 10 liter
4	Mite	Sulphur	02 grams per liter
		Magister	02 ml per liter

**ਸਿੰਜਾਈ ਅਤੇ ਨਿਕਾਸ:** ਮੰਹ ਦੀ ਅਣਹੋਂਦ ਵਿੱਚ ਜਾਂ ਜੇਕਰ ਛੁੱਲ ਅਤੇ ਫਲੀ ਬਣਨ ਦੇ ਪੜਾਅ ਦੌੰਗਾਨ ਮੰਹ ਵਿਚਕਾਰ ਅੰਤਰਾਲ ਬਹੁਤ ਲੰਮਾ ਹੋਵੇ, ਤਾਂ ਇੱਕ ਸਿੰਜਾਈ ਕਰਕੇ ਉਤਪਾਦਨ ਵਧਾਇਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਕਲੱਸਟਰ ਬੀਨ ਦੀ ਫਸਲ ਖੇਤ ਵਿੱਚ ਪਾਣੀ ਜਮ੍ਹਾਂ ਹੋਣ ਨੂੰ ਬਰਦਾਸ਼ਤ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦੀ, ਇਸ ਲਈ ਜ਼ਿਆਦਾ ਬਾਰਿਸ਼ ਹੋਣ ਦੀ ਸੂਰਤ ਵਿੱਚ ਨਿਕਾਸ ਲਈ ਢੁਕਵੇਂ ਪ੍ਰਬੰਧ ਕਰੋ।

**ਨਦੀਨੀਕਰਨ:** ਪਹਿਲੀ ਖੁੱਡ ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ 25 ਤੋਂ 30 ਦਿਨਾਂ ਬਾਅਦ ਕੀਤੀ ਜਾਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਜੇਕਰ ਲੋੜ ਹੋਵੇ, ਤਾਂ ਦੂਜੀ ਖੁੱਡ 40 ਤੋਂ 45 ਦਿਨਾਂ ਬਾਅਦ ਕੀਤੀ ਜਾਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਸਮੇਂ ਸਿਰ ਨਦੀਨਾਂ ਕੱਢਣ ਨਾਲ, ਨਾ ਸਿਰਫ਼ ਨਦੀਨਾਂ ਦਾ ਖਾਤਮਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਬਲਕਿ ਮਿੱਟੀ ਵਿੱਚ ਹਵਾ ਦਾ ਪ੍ਰਵਾਹ ਵੀ ਵਧੀਆ ਰਹਿੰਦਾ ਹੈ।

**ਫਲੀਆਂ ਦੀ ਕਟਾਈ ਅਤੇ ਝਾੜ:** ਕਲੱਸਟਰ ਬੀਨ ਦੀਆਂ ਫਲੀਆਂ ਨੂੰ ਨਰਮ ਅਵਸਥਾ ਵਿੱਚ ਤੋੜਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਜਦੋਂ ਉਹ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਤਿਆਰ ਹੋ ਜਾਣ। ਨਰਮ, ਕੱਚੀਆਂ, ਹਰੀਆਂ ਫਲੀਆਂ ਦੀ ਨਿਯਮਿਤ ਤੌਰ 'ਤੇ ਇੱਕ ਦਿਨ ਦੇ ਅੰਤਰਾਲ 'ਤੇ ਕਟਾਈ ਕਰੋ।

**ਨੋਟ:-** ਉਪਰੋਕਤ ਸਾਰੀ ਜਾਣਕਾਰੀ ਸਾਡੇ ਖੇਜ ਕੇਂਦਰ ਵਿੱਚ ਕੀਤੇ ਗਏ ਪ੍ਰਯੋਗਾਂ 'ਤੇ ਅਧਾਰਤ ਹੈ। ਉਪਰੋਕਤ ਜਾਣਕਾਰੀ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਥਾਵਾਂ 'ਤੇ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਮੌਸਮ, ਮਿੱਟੀ ਦੀ ਕਿਸਮ ਅਤੇ ਮੌਸਮ ਦੇ ਕਾਰਨ ਬਦਲ ਸਕਦੀ ਹੈ।